B- IV
L- 05
Economy

कीन्स का अर्थशास्त्र :-

- देश में समग्र माँग (Aggregate Demand) GDP और रोजगार को निर्धारित करती है

दूसरे शब्दों में, यदि समग्र माँग बढ़ती है तो जी.डी.पी और रोजगार भी बढ़ते हैं

इसी प्रकार, यदि जी.डी.पी और रोजगार कम है तो इसका कारण समग्र माँग में कमी है।

- समग्र माँग को निम्न प्रकार प्रदर्शित किया जाता है -

$$AD = C + I + G + X - M$$

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

महाँ पर -

(i) C = Consumption उपभोग

उपयोगिता / संतुष्टि के लिए किए जाने वाले खर्च को उपभोग कहते हैं

कीन्स के अनुसार, एक न्यूनतम स्तर को छोड़कर, उपभोग का स्तर आय पर निर्भर करता है।

आय के बढ़ने पर उपभोग बढ़ता है और आय के कम होने पर उपभोग भी कम हो जाता है।

कीन्स के द्वारा यह भी कहा गया कि उपभोग में होने वाले परिवर्तन आय में होने वाले परिवर्तनों की तुलना में कम होते हैं क्योंकि लोगों द्वारा आय के एक भाग की बचत कर ली जाती है।

कीन्स के उपर्युक्त विचारों को निम्न चित्र द्वारा दिखाया जाता है।

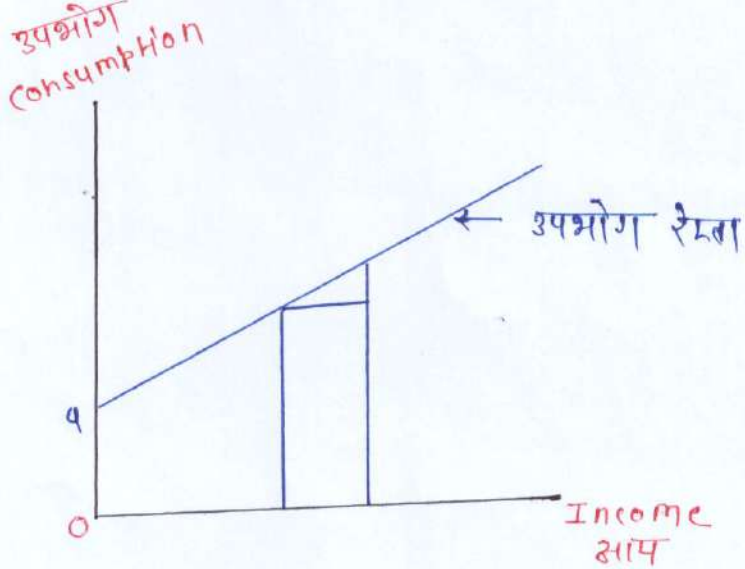

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

(ii) I = Investment निवेश :

उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए किए जाने वाले खर्च को निवेश कहते हैं।
ये खर्च मशीनों, उपकरणो, भवनों, पशुओं आदि पर किया जाता है।

कीन्स के अनुसार, निवेश का स्तर ब्याज दर (Intrust rate) से विपरीत (Inverse) संबंध रखता है अर्थात् —

ब्याज दर कम होने पर निवेश का स्तर बढ़ता है और ब्याजदर के बढ़ने से निवेश का स्तर कम हो जाता है।

इसे एक चित्र द्वारा दिखाया जा सकता है —

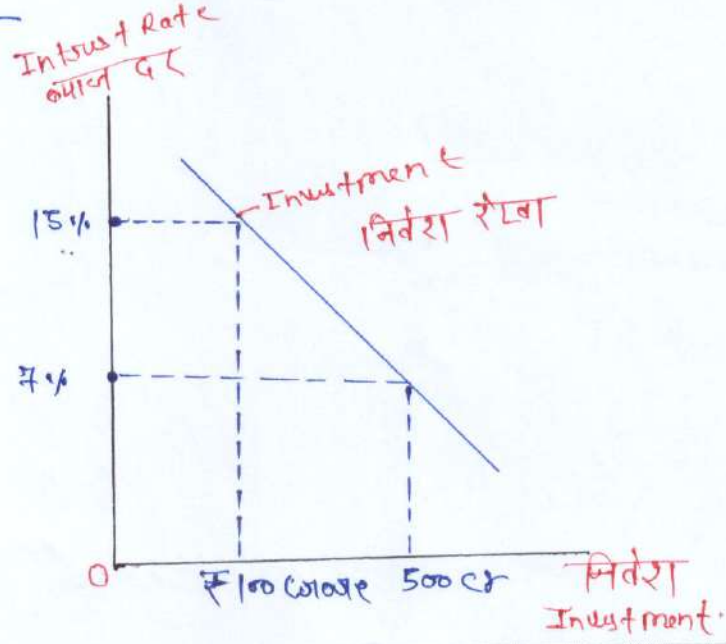

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

(iii) G = Government Expenditure :-
सरकारी खर्च

यह सरकार द्वारा किया जाने वाला खर्च होता है।

सरकारी खर्चे उत्पादक या अनुत्पादक हो सकते हैं। जिन सरकारी खर्चों से उत्पादन क्षमता बढ़ती है उन्हे निवेश माना जाता है तथा अनुत्पादक खर्चों को उपभोग माना जाता है

इस प्रकार सरकारी खर्च दो प्रकार का होता है—

(i) निवेश

(ii) उपभोग

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR